राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड

एनडीडीबी का डिजिटल कनेक्ट

कृत्रिम गर्भाधान द्वारा गाय तथा भैंसों के आनुवंशिक सुधार के लिए सूचना प्रणाली

डेरी पशु उत्पादकता में सुधार के लिए एनडीडीबी का डिजिटल कनेक्ट

प्रस्तावना

देश में गाय तथा भैंसों में शीघ्र आनुवंशिक सुधार करने के लिए कृत्रिम गर्भाधान (एआई) एक साधन है। आनुवंशिक सुधार तभी संभव है, जब उत्तम सांड़ों का प्रयोग गायों या भैंसों के गर्भाधान के लिए किया जाता है। एआई की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) में शामिल है – अनोखी संख्या वाले कान टैग का प्रयोग करते हुए प्रत्येक कृत्रिम गर्भाधान किए गए पशु तथा सभी बछड़े/बछड़ियों की पहचान; केवल 'ए' या 'बी' श्रेणी के वीर्य केंद्रों के वीर्य का प्रयोग तथा सभी सूचनाओं की रिकार्डिंग। एसओपी का पालन करते हुए कृत्रिम गर्भाधान सेवाएं, जिन्हें किसानों के दरवाजे पर प्रदान किया जाता है वह वैज्ञानिक प्रजनन का मुख्य भाग हैं। वर्तमान में, एआई से संबंधित सूचना को या तो रिकार्ड नहीं किया जाता है या फिर इसे प्रत्येक पशु की पहचान के बिना मैन्युअल तरीके से रिकार्ड किया जाता है, जिसका प्रयोग सीमित है।

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) ने प्रत्येक पशु के आंकड़ों की रिकार्डिंग, विश्लेषण तथा विभिन्न हितधारकों तक प्रसार के लिए एक एकीकृत सूचना प्रणाली स्थापित की है। इस प्रणाली में सेवा प्रदाताओं द्वारा एआई डिलीवरी, निष्पादन रिकार्डिंग, पशु स्वास्थ्य तथा पशु पोषण सेवाओं से संबंधित सूचना की रिकार्डिंग की जाती है।

विभिन्न परियोजनाओं में डेरी गोजातीय पशुओं के निष्पादन की निगरानी करने में इसकी प्रभाविता को ध्यान में रखते हुए डीएएचडीएंडएफ, भारत सरकार ने गोजातीय प्रजनन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम – एक केंद्रीय क्षेत्र योजना के कार्यान्वयन हेतु इसके प्रयोग की अनुशंसा की है।

किसानों के ठीक दरवाजे पर एआई तकनीशियन (एआईटी) द्वारा अपने स्मार्टफोन का प्रयोग करके सूचना एकत्रित करने के लिए इस प्रणाली को उन्नत बनाया गया है। इस डिजिटल पहल से गर्भधारण दर में सुधार करने, दो ब्यांतों के बीच के अंतर को कम करने तथा श्रेष्ठ सांड़ों तथा गायों का चयन करने में किसानों को मदद मिलेगी।

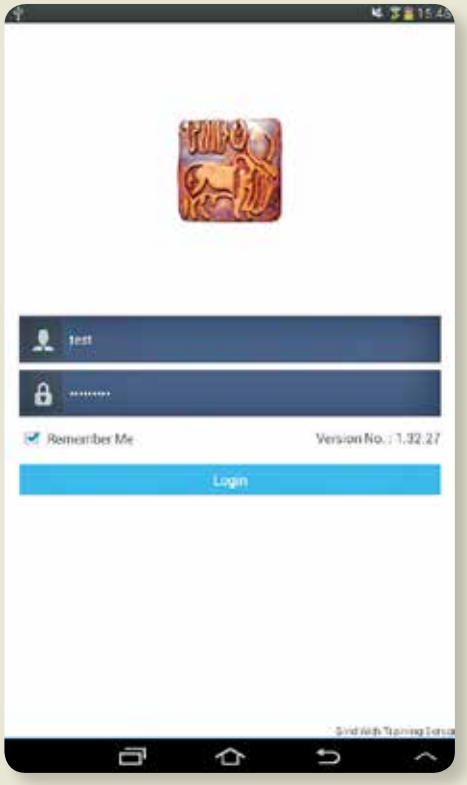

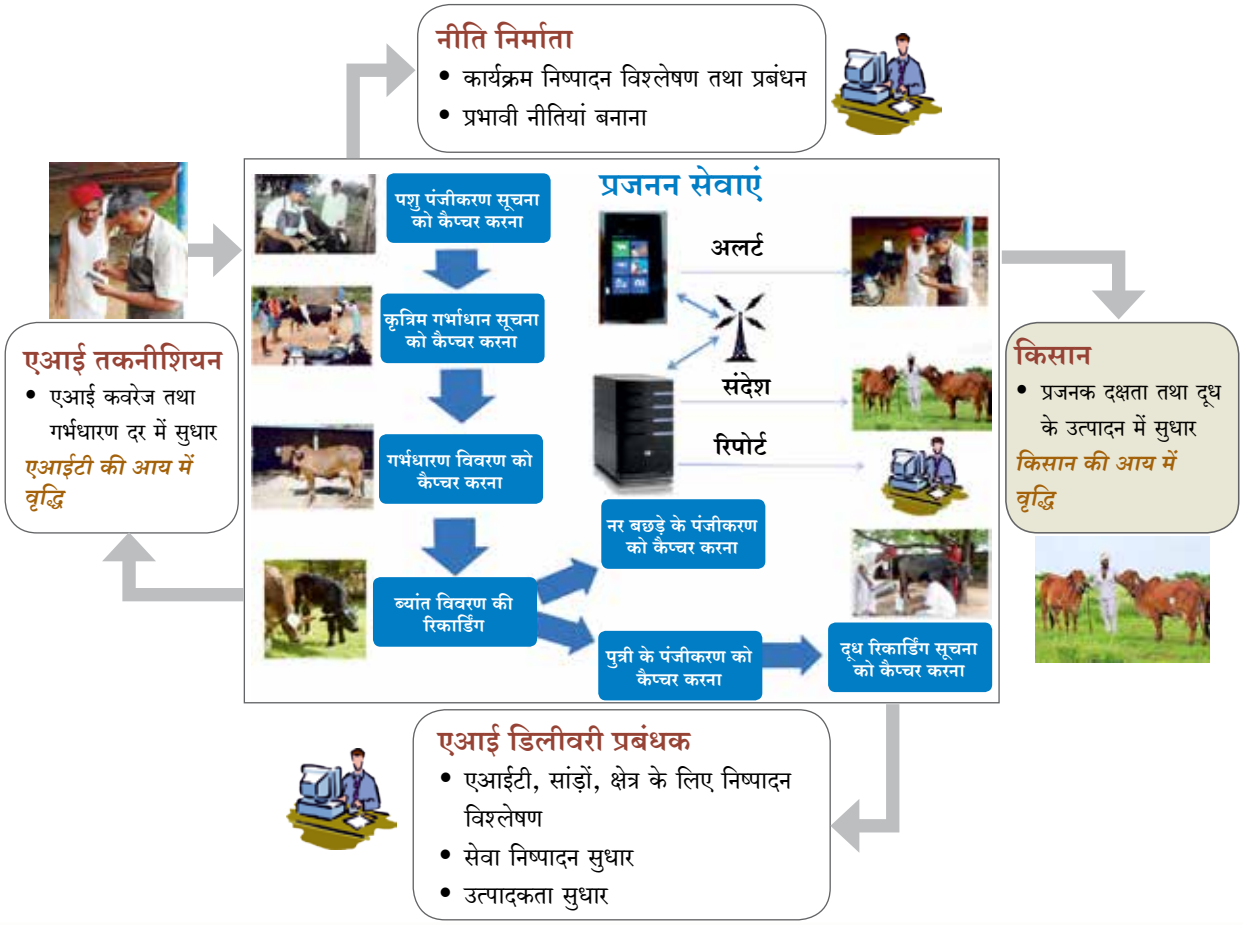

नीति निर्माता
• कार्यक्रम निष्पादन विश्लेषण तथा प्रबंधन
• प्रभावी नीतियां बनाना
प्रजनन सेवाएं
पशु पंजीकरण सूचना को कैप्चर करना
कृत्रिम गर्भाधान सूचना को कैप्चर करना
गर्भधारण विवरण को कैप्चर करना
ब्यांत विवरण की रिकार्डिंग
नर बछड़े के पंजीकरण को कैप्चर करना
पुत्री के पंजीकरण को कैप्चर करना
दूध रिकार्डिंग सूचना को कैप्चर करना
अलर्ट
संदेश
रिपोर्ट
एआई तकनीशियन
• एआई कवरेज तथा गर्भधारण दर में सुधार
एआईटी की आय में वृद्धि
किसान
• प्रजनक दक्षता तथा दूध के उत्पादन में सुधार
किसान की आय में वृद्धि
एआई डिलीवरी प्रबंधक
• एआईटी, सांड़ों, क्षेत्र के लिए निष्पादन विश्लेषण
• सेवा निष्पादन सुधार
• उत्पादकता सुधार

मुख्य लाभ

- किसानों के ठीक दरवाजे पर प्रत्येक पशु की सूचना का एकत्रीकरण
- निम्नलिखित के बारे में किसानों को एसएमएस अलर्ट भेजा जाता है
  - गर्मी के लक्षणों के लिए किस पशु की निगरानी की जानी है
  - एआई के पश्चात् गर्भधारण की जांच के लिए सही समय
  - ब्याने की अनुमानित तिथि
- किसान उन आवर्ती (रिपीट) प्रजनक पशुओं को पहचानते हैं जिन्हें इलाज की जरूरत है
- उपलब्ध वंशावली रिकार्ड के अनुसार किसानों को श्रेष्ठ संततियां प्रदान करने वाले सांड़ों के बारे में परामर्श दिया जा सकता है
- अत: प्रजनन को रोकना
- एआई तकनीशियन उन पशुओं की पहचान कर सकते हैं जिन्हें गर्भधारण या ब्याने के लिए आगे ध्यान देने की आवश्यकता है तथा गर्मी में आने या ब्याने के संकेत पहचानने के लिए परामर्श भी देते हैं
- इससे गायों/भैंसों में दो ब्यांतों के बीच का अंतर कम करने तथा प्रजनन दक्षता में सुधार करने में मदद मिलेगी
- एआई डिलीवरी संस्थाओं के प्रबंधक अच्छे या बुरे निष्पादक सांड़ों तथा एआई तकनीशियनों की पहचान कर सकते हैं तथा इस सूचना की तुलना करके उनकी सेवाओं की दक्षता में सुधार कर सकते हैं
- नीति निर्माता तथा वैज्ञानिक डेरी किसानों के लिए गाय तथा भैंसों के आनुवंशिक सुधार तथा बेहतर आनुवंशिक प्रबंधन से संबंधित विभिन्न हस्तक्षेपों को तैयार कर पाने में सक्षम होंगे

राष्ट्रीय डेरी योजना
मिशन मिल्क
अगली क्रांति

राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड
आणंद 388001, गुजरात
दूरभाषः 02692-260148/149, फैक्सः 02692-260157
वेबसाइटः www.nddb.coop

facebook.com/NationalDairyDevelopmentBoard